ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–93
दिनांक– मंगलवार, 16 दिसम्बर, 2025

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 25.2 एवं 9.1 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 97.0 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 58.0 प्रतिशत, हवा की औसत गति 2.6 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 1.6 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 7.2 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 15.1 एवं दोपहर में 23.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(17–21 दिसम्बर, 2025)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 17–21 दिसम्बर, 2025 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में मौसम साफ और शुष्क रहने का अनुमान है। सुबह में हल्के से मध्यम कुहासा छा सकता है।
- अधिकतम तापमान 24 से 25 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 9 से 11 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 3–5 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चल सकती है तथा 20–21 दिसंबर के आसपास पुरवा हवा भी चल सकती है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 45 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- किसान भाई को सलाह दी जाती है कि गेहूँ की पिछात किस्मों की बुआई 25 दिसम्बर से पहले अवश्य पूर्ण कर लें, क्योंकि इसके बाद बुआई करने पर उपज में भारी कमी आ सकती है।
- इस क्षेत्र के लिए गेहूँ की पिछात किस्मों एचडी 2733, एचयूडब्ल्यू 468, डब्लूआर 544, डीबीडब्लू 39, एचडी 2967 तथा एचडब्लू 2045 किस्में अनुशंसित हैं। बुआई से पूर्व प्रति किलोग्राम बीज को 2.5 ग्राम बेविस्टीन से उपचारित करें तथा उसके बाद क्लोरपायरीफॉस 20 ईसी दवा की 8 मिली मात्रा प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करें। खेत की तैयारी के समय 40 किलोग्राम नत्रजन, 40 किलोग्राम फास्फोरस एवं 20 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें। जिन क्षेत्रों में जिंक की कमी के लक्षण दिखाई देते हों, वहाँ अंतिम जुताई के समय 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट प्रति हेक्टेयर डालें। छिटकवाँ विधि से बुआई के लिए 150 किलोग्राम तथा सीड ड्रिल द्वारा पंक्तियों में बुआई के लिए 125 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर का प्रयोग करें। बुआई से पूर्व खेत में हल्की सिंचाई अवश्य करें, जिससे बीजों का अच्छा जमाव सुनिश्चित हो सके।
- 21–25 दिन की गेहूँ की फसल में सिंचाई के साथ 30 किलोग्राम नत्रजन प्रति हेक्टेयर का उपरिवेशन करें। अगात बोई गई रबी मक्का की 50–55 दिन की फसल में 50 किलोग्राम नत्रजन प्रति हेक्टेयर का उपरिवेशन कर मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें तथा फसलों में कीट एवं रोगों की नियमित निगरानी करते रहें।
- टमाटर की फसल में फल छेदक कीट की विशेष निगरानी करें, क्योंकि इसके पिल्लू फल के अंदर घुसकर उसे नष्ट कर देते हैं, जिससे पूरी फसल को भारी नुकसान हो सकता है। इसके नियंत्रण हेतु खेतों में पक्षी बसेरा लगाएँ। कीट का प्रकोप दिखाई देने पर पहले प्रभावित फलों की तुड़ाई कर नष्ट करें तथा उसके बाद स्पिनोसैड 48 ईसी दवा की 1 मि.ली. मात्रा प्रति 4 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। सभी सब्जी वाली फसलों में समय–समय पर निराई–गुड़ाई अवश्य करें।
- आलू की फसल में निकौनी करें। निकौनी के बाद प्रति हेक्टेयर 75 किलोग्राम नेत्रजन उर्वरक का उपरिवेशन कर आलू में मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें। आलू में कीट–व्याधी की निगरानी करें।
- प्याज की 50–55 दिन की तैयार पौध की रोपाई करें। रोपाई के समय पंक्ति से पंक्ति की दूरी 15 सेमी तथा पौधे से पौधे की दूरी 10 सेमी रखें। खेत की तैयारी के समय 15–20 टन गोबर की खाद के साथ 60 किलोग्राम नत्रजन, 80 किलोग्राम फास्फोरस, 80 किलोग्राम पोटाश एवं 40 किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें।
- मटर, टमाटर, बैंगन एवं मिर्च जैसी सब्जी फसलों में फल छेदक कीट का प्रकोप दिखाई देने पर स्पिनोसैड 48 ईसी दवा की 1 मिली मात्रा प्रति 4 लीटर पानी या क्विनालफॉस 25 ईसी दवा की 1.5 मिली मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
- ठंड के मौसम में दुधारू पशुओं की देखभाल एवं पोषण प्रबंधन विशेष सावधानी से करें। पशुओं के आहार में तेलहन एवं अनाज की मात्रा बढ़ाएँ तथा जई और बरसीम जैसे पौष्टिक हरे चारे की पर्याप्त व्यवस्था करें। पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने के लिए प्रोबायोटिक दवाओं का प्रयोग करें और पशुओं को साफ व ताजा पानी ही पिलाएँ। दुग्ध उत्पादन को बनाए रखने एवं बढ़ाने के लिए फैटोमैक्स, एम–पावर जैसी दवाओं का उपयोग करें तथा खनिज एवं विटामिन मिश्रण 50 ग्राम प्रति पशु प्रतिदिन अवश्य दें।

आज का अधिकतम तापमानः 24.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.9 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 9.5 डग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.7 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी